



फनिटेक कॉनक्लेव 2019

चर्चा में क्यों?

नीति आयोग 25 मार्च, 2019 को एकदिवसीय फनिटेक कॉनक्लेव का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (Dr. Ambedkar International Center) में किया जा रहा है।

प्रमुख बंदी

- इसका उद्देश्य फनिटेक क्षेत्र में भारत की बढ़ती उँचाइयों को आकार देना, भविष्य की रणनीति एवं नीतितगत प्रयासों हेतु योजना बनाना तथा व्यापक वित्तीय समावेश के लिये उचित कदमों पर विचार करना है।
- इस कॉनक्लेव में एचडीएफसी बैंक, इंडसइन्ड, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई कार्ड, टाटा कैपिटल सहित प्रमुख वित्तीय संस्थान एवं बैंक बाज़ार, फोन पे, कैपिटल फ्लोट, ज़ेरोधा, पेटीएम, मोबिक्विक, पे यू सहित फनिटेक एवं अग्रणी वैचर कैपिटल नविशक, राज्य सरकारें, एमएसएमई इत्यादि शामिल होंगे।
- डिजिटल इंडिया एवं वित्तीय समावेशन के लिये सवैच्छकिक आधार तथा विकास पर केंद्रित भारत सरकार के प्रयासों की वज़ह से ही वित्तीय प्रौद्योगिकी (Financial Technology-FinTech) के क्षेत्र में वभिन्न हतिधारकों के बीच दलिचस्पी पैदा हुई है।

पृष्ठभूमि

- भारत वैश्विक रूप से सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले फनिटेक बाज़ारों में से एक है और इस उद्योग के अनुसंधानों से अनुमान लगाया गया है कि 2029 तक भारत का फनिटेक बाज़ार एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है।
- भारतीय फनिटेक प्रणाली विश्व में तीसरी सबसे बड़ी प्रणाली है जिसमें 2014 के बाद लगभग छह बिलियन डॉलर का नविश किया गया है।
- भारतीय फनिटेक उद्योग उन्नत जोखिम प्रबंधन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अत्याधुनिक बौद्धिक संपदा का निर्माण कर रहा है जो भारत को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत में पेपरलेस अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।

फनिटेक क्या है?

- फनिटेक (FinTech) Financial Technology का संक्षिप्त रूप है। वित्तीय कार्यों में टेक्नोलॉजी के उपयोग को फनिटेक कहा जा सकता है।
- दूसरे शब्दों में यह पारंपरिक वित्तीय सेवाओं और वभिन्न कंपनियों तथा व्यापार में वित्तीय पहलुओं के प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का कार्यान्वयन है।
- पहले के समय में बैंक से पैसा निकालने के लिये रजिस्टर मेन्टेन करना होता था जिसमें काफी समय भी लगता था। लेकिन अब बैंकिंग सिस्टम में भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होने से कोर बैंकिंग सिस्टम प्रचलन में आ गया है और पैसे का लेन-देन आसान हो गया है, इसे भी हम फनिटेक कह सकते हैं। उदाहरण के तौर पर UPI या भीम एप जो वित्तीय तकनीक का एक हिससा हैं, पैसा भेजने की समस्या को तुरंत हल कर देते हैं।
- अगर एक के बाद एक, बैंक अपनी मोबाइल वॉलेट सर्विस लॉन्च कर रहे हैं तो यह इन्हीं फनिटेक कंपनियों की वज़ह से है। यही कारण है कि अब बैंक इन फनिटेक कंपनियों को अपने साथ ला रहे हैं।
- ये फनिटेक स्टार्ट-अप बैंकों के लिये पेमेंट, कैश ट्रांसफर जैसी सर्वसिज़ में काफी मददगार साबित हो रहे हैं। साथ ही ये देश के दूरदराज़ के इलाकों तक बैंकिंग सर्वसिज़ उपलब्ध करा रहे हैं।
- फनिटेक प्रदाता अब बचत, उधार, बीमा और अन्य वित्तीय उत्पादों तथा सलाहकारी सेवाओं की पेशकश शुरू कर रहे हैं।
- देश में आज पेटीएम, मोबिक्विक और फरीचार्ज जैसी कंपनियों तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं और बैंकों के साथ समन्वय से छोटी कंपनियों को भी अपने नए आइडिया पर काम करने का मौका मलि रहा है।
- केपीएमजी की रपॉर्ट के मुताबिक, इस वक्त देश में फनिटेक सेक्टर का कारोबार 33 अरब डॉलर का है जो 2020 तक 73 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है।
- सरकार की कोशिश भी देश की इकोनॉमी को कैशलेस बनाने की है, ऐसे में फनिटेक कंपनियों की भूमिका आने वाले दिनों में और भी बढ़ेगी।

स्रोत- पीआईबी

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/fin-tech-conclave-2019>

